



स्थान के
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज
ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे
देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज
ओ पत्रिका पहे सेक्वी ।

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा



PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाओ,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ३१ वि.सं. २०८३ सावन ३१ गते अष्टवार

थारु सम्वत (२६४९)

[Sunday 16 August 2026]

(मोल रु. ५ ।- पेज ४)

विपतपुर-मिलनपुर सँघुवा विवाद मिलल

रानाथारु समुदायमे तिज पर्वके उल्लास

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० सावन । अक्के समुदाय, अक्के वर्ग, गाँस, वास ओ कपासके लाग राज्यसे माग कैटी संगसंगो रातदिन बर्षासे आन्दोलन करटी रहल समुदाय हुइत मिलनपुर ओ विपतपुरके मुक्तकमैयाबासी ।

राज्यसे पाईपना अधिकार पूर्ण रूपमे नैपाइलपाछे उहाँहुके अधिकारके लाग अभिनसम आन्दोलन जारी रखले बटै । राज्य पाईपना अधिकारबाहेक गाउँघरमे एक ठो छोटमोट विवादसे एक गाउँक मनैनेहे दुसर गाउँक मनै हेरे नैसेक्ना अवस्था रहे ।

उ चाही गाउँक दखिन पर्ना मोहना लडियामे उना सँघुवा नाँधना ओ वहाँसम जाईक लाग चाहल डगरके विवाद केहू हो । उ विवाद उ समुदाय वर्गहुकनके बर्षासे आन्दोलन करल मागमेफे नैपरठ ।

कैलालीके कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ७ मिलनपुर ओ विपतपुर मुक्तकमैया बस्ती जोरल बा । संग संगे आन्दोलन कैटी संगे बैठल बस्तीफे हो । दुनु गाउँक धरेक अंगना जोरल बा । दुई गाउँ छुट्याइक लाग खाली एक ठो सडक केहू बा । सायद लौवा मनै उ गाउँमे जैही कलेसे गाउँ छुट्याइनाफे करा हुई सेकठ ।

विवाद भर मोहना लडिया नाधेक लाग डारल सँघुवा नाधे जैना डगर ओ नाधे पाई पर्ना कना केहू हो । दुनु गाउँक मनै उ सँघुवा नाँधके दुनु गाउँक मनै खेती पाटी ओ सामान लेहे जैना करल बटै । डगरके विषयमे हुइल विवाद दुनु गाउँक विचा भारी द्वन्द्व बहटी रहे । विवाद समाधानके लाग



प्राकृतिक स्रोत द्वन्द्व रुपान्तरण केने नेपालके सहजीकरण, कैलारी गाउँपालिकाके न्यायिक समितिके आयोजना, वडा नम्बर ७ के कार्यालयके समन्वयमे द्वन्द्व रुपान्तरण प्रक्रिया अनुसार माक्राके सहजीकरणमे विवाद मिलल बा ।

महिनौसे सृजित विवाद शुक्रके रोज मिलके दुनु गाउँक मनै मिलके जैना सहमति करलपाछे ढेर दिनमे मनमुटावा ओ आपसी द्वन्द्व खुशीमे परिणत हुके दुनु गाउँक मनैनेके मुहारमे हाँसी देखल बा ।

विवाद दिगो रूपमे समाधानके लाग दुई गाँउ विच ११ बुँदे सहमति

१. विपतपुर गाउँके दखिन मोहना लडियामे हिउद महिनामे अइना जैना अस्थायी काठुक सँघुवा निर्माण करेबेर विपतपुर ओ मिलनपुर गाउँक मनै मिलके श्रमदान कैना सहमति करटी ।

२. काठुक पुल बनाईबेर आवश्यक पर्ना खम्मा खुटा दुनु मिलके व्यवस्थापन कैना

सहमति करटी ।

३. सँघुवा बनाईबेर आवश्यक पर्ना किला काँटी दुनु गाउँ ओ भल्मन्सा मिलके वडा नम्बर ७ कार्यालय वा गाउँपालिकासंग माग कैना सहमति हुइल बा ।

४. दुनु गाउँ मिलके अस्थायी पुल निर्माण हुइलपाछे मिलनपुर ओ विपतपुर गाउँक व्यक्तिहुके निशुल्क प्रयोग करेपैना ओ और मनैनेसे शुल्क लेना, विपतपुरके चौकीदारी कैना, उहीसे उठल रकम मोहना लडियासे कटान करल जमिनके कर तिर्ना सहमति हुइल बा ।

५. बर्खा लगा आधे दुनु गाउँक मनै मिलके सँघुवा उखारके सुरक्षित ठाउँमे ठर्ना ।

६. यी सहमतिके सक्कु बुदाँ कुवाँर मसान्तसम कार्यान्वयन कैना ।

७. करल सहमति नेपाल सरकारके कानूनमे बाँझे गैलेसे उहे ऐन अनुसार कैना ।

८. सहमति कैलारी गाउँपालिकाके

न्यायिक समिति संयोजक भगवतीकुमारी चौधरी ज्यूके रोहवारमे हुइना । सक्कु बुँदा पूर्ण रूपमे सहमति हुके परिपालन कैना, करैना करके राजीखुशीके साथ सहमति कैगिल बा ।

९. कौनो मेरिक विवाद उत्पन्न हुइलेसे माक्रा पद्धतीसे आपासी छलफलके माध्यमसे समस्याके समाधान कैना ।

१०. खेवुवाके चौराहासे सेप्ताहुवा फटवा जैना डगर पालिकाके नियम अनुसार खोल बा । उ डगर खोल क्रममे तारवारके व्यवस्थापन पालिकाके पहल कैना सहमति हुइल बा ।

११. वडा सदस्य दुनीराम चौधरीके संयोजकत्वमे कार्यान्वयन समिति ५ जाने रहना करके गठन कैना सहमति हुइल बा ।

विवाद दिगो समाधानसे आपसी सदभाव कायम हुइतः गाउँपालिका उपाध्यक्ष भगवती

कैलारी गाउँपालिका उपाध्यक्ष तथा न्यायिक समिति संयोजक भगवतीकुमारी चौधरी कौनोफे ठाउँक विवाद दिगो रूपमे समाधान हुइलपाछे आपसी सदभाव बहना बटैले बटी ।

उहाँ कहली, वडा नम्बर ७ स्थित मिलनपुर ओ विपतपुरके मुक्त कमैया बस्तीमे अक्के समुदाय ओ अक्के वर्गमे बसोवास बा । मने छोट विवादसे भारी द्वन्द्व फैले सेकठ । सामाजिक द्वन्द्व मजा नैहो, मन मिला जरुरी बा ।

विवाद करटी करटी गैलेसे पुस्तासम विवाद बहटी जाइठ । उहीसे दुनु पक्षहे नोक्सान करठ । विकासके बाधक बनाठ । कुछ दिनसे दुनु बस्ती विच विवाद रहे आज समाधान हुइल बा । दुनु गाउँ (बाँकी, ३ पेजमे)



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० सावन । रानाथारु समुदायके महिलाहुँके आपन डाडाभैया ओ भटिज्वाके लम्मा आयुके कामना कैटी तिज टिहुवार मनाइल लागल बटै ।

तीजके अवसरमे कैलाली ओ कञ्चनपुरमे बसोबास कैना रानाथारु समुदायमे तिजके उल्लास छाइल बा । रानाथारु समुदायके बसोबास रहल गाउँके टोलमे सावनके डोला (बल्हा) बनाइल बा । भोज हुइल महिला अपन लैहार पहनी खाई आइल बटै कलेसे शनिचक्रके रोज निराहर ब्रत बैठके तीज टिहुवार मनैले बटै ।

रानाथारु समुदायके महिला आपन डाडाभैया ओ भटिज्वाके दीर्घायुके कामना कैटी तीज ब्रत बैठना चलन रहल रानाथारु समुदायके बृद्धिजीवी नन्दलाल रानाथारु बटैले ।

उहाँ कहलै, गैरथारु समुदाय तिज ब्रत आपन गोसियाके लम्मा आयुके कामनाके लाग बैसठ । मने रानाथारु समुदायके तिजमे महिला डिडीबहिनीयाहुँके दिनभर आपन डाडाभैया, भतिज्वाके लम्मा आयुके

लाग ब्रत बैसना चालन बा ।

तिज पुजाके लाग रानाथारु समुदायके प्रत्येक घरमे सिसै, पुरी, गुलगुला, पकौडा, पपरा लगायतके परिकार पाके लडिया, तल्लान किनारमे कुशके घाँसमे भोज हुइल महिला ओ गाँठी ओ कुवारी लौवरीय ५ गाँठी पारके एक ठो टेपरीमे पुजा कैलक सामान अछैना मोर डाडाभैया, भतिज्वाके लम्मा आयु हुइस कहटी कामना कैना कैना करल उहाँ बटैले ।

लडिया टल्वासे पुजा कैके आइलपाछे पकागिल पकवानसे ब्रत खोल्के छेटी रमैना, महिलाहुँके सामूहिक रूपमे सावनके डोला (बल्हा) भुल्क रमैना चलन रहल नन्दलाल बटैले । उहाँ कहलै, 'कैलालीके धनगढी उपमहानगरपालिका अर्न्तगत रानाथारु बसोबास वडामे सावनके डोला डगर बा । जहाँ उ समुदायके महिलाहुँके डोला भुल्की रहरडगी कैटी रहल बटै । कलेसे कञ्चनपुरमे यी कार्यक्रम धारल बा । धनगढी गाउँक भलमन्सा भज्जी राना परम्परागत मौलिक गीत गैटी बल्हा भुल्ना चलन रहल बटैले ।

कैलारीके के गाउँमे अट्ठवारी ओ तीजके अवसरमे 'फुटबल प्रतियोगिता हुइना



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० सावन । कैलालीके कैलारी गाउँपालिका ४ के गाउँस्थित खेलमैदानमे २७ औं निसर्ग फुटबल पुरुष तथा महिला प्रतियोगिता २०८३ हुइना बा ।

न्यु युवा सुन्दर शक्ति क्लवके आयोजनामे थारु समुदायके मौलिक पर्व अट्ठवारी ओ हिन्दु नारीहुकनके महान पर्व तीजके अवसरमे प्रतियोगिता हुइना हुइल हो ।

आयोजक क्लवसे शनिचक्रके रोज पत्रकार सम्मेलन करटी प्रतियोगिताबारे जानकारी कराइल हो । क्लवके अध्यक्ष बृक्षलाल चौधरीके अनुसार भदौ २० गतेसे ३१ गतेसम सञ्चालन हुइना प्रतियोगितामे १६ ठो पुरुष टीम ओ ८ ठो महिला टीमके सहभागिता रना जनैले ।

प्रतियोगिताके विजेताहे पुरुषओर नगद एक लाख प्रदान कैना बा कलेसे उपविजेताहे ५० (बाँकी २ पेजमे)

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न

Advanced Healthcare for all.

निसर्ग हस्पिटल

एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरु

जनरल फिजियन (पेट, श्वाती, मुटु) रोग विशेषज्ञ	रेडियोलोजी विशेषज्ञ	न्युरो, मस्तिष्क, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ	हाडजोर्नी तथा स्पोर्ट्स फिजियोथेरापिस्ट
हाडजोर्नी तथा नशरोग विशेषज्ञ	जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन	स्त्री तथा प्रसूति रोग विशेषज्ञ	नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ	एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ	मुख, अनुहार तथा बड्का विशेषज्ञ	मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
छाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सोलुईय विशेषज्ञ	मृगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ	मुटु रोग विशेषज्ञ	

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal

091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745

www.nisargahospitalnepal.com | nisargahospitalnepal

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दहित (९८४८४९४५१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुणा सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४४०१८८७/९८२५६२९३०४)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, वेहडी, धनगढी

कैलारीके के

हजार प्रदान कैना आयोजक क्लब जनैले बा । ओस्टेक करके महिलाओरके विजेताहे ४० हजार ओ उपविजेता टीमहे २५ हजार प्रदान कैना क्लबके अध्यक्ष बृक्षलाल बटैले ।

प्रतियोगितामे इन्टी शुल्क पुरुष टीमहे ६ हजार ५ सय ५ रुपया ओ महिला टीमहे ३ हजार ५ सय कायम करल बा ।

यिहे बीच कैलारी गाउँपालिका ४ के वडाध्यक्ष ठागुराम चौधरी खेलकुदमार्फत व्यक्तिसे अपन व्यक्तित्व विकास करेसेवना बटैले । खेलकुदमार्फत अपनहे चिन्हैनाके साथै शरीरिक स्वास्थ्यके लाग खेलकुद महत्वपूर्ण रहल उहाँक कहाई बा ।

उहाँ कहलै, गाउँघरमे रहल यूवाहुकनमेफे ढेर बा । प्रतियोगिता हुइलपाछे यूवाहुके आपन उप्पर नुकल प्रतिभा देखैना अवसर पैठै । खेलकुडसे युवाहुके आपनहे दक्ष बनाइल बा । प्रतियोगिता नैहुइठ कलेसे कुशल

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ८ स्थित कित्ता नं. १९०५ क्षेत्रफल १७०.०० वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री कलु देवी थापाले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पूर्व: बाटो पश्चिम: बाटो

उत्तर: धन राज बिष्ट दक्षिण: बाटो, केशवराज राना

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ८ स्थित कित्ता नं. १३१७ क्षेत्रफल २१०.३० वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री रमेश चौधरीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पूर्व: मुलबन्द चौधरी पश्चिम: अजमती देवी बोहोरा

उत्तर: चन्द्रपति देवी कठरिया थरुनी, राम सिंह धामी

दक्षिण: बाटो, महादेव प्रसाद बराल

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बना सक्नु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनैके ।

सीप सिक्की, स्वरोजगार बनी विद्यार्थी ओ गुण्मे अउईयाहुकनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुकनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप प्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथै फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथै दूरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्नु सिकाह विद्यार्थीहुकनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

दलित आन्दोलनमे पुस्तान्तरण

नेपालके दलित आन्दोलन दसकौं लम्मा इतिहास बोकेल सामाजिक न्यायके आन्दोलन हो । यी आन्दोलन कौनो एक व्यक्तिके नेतृत्व वा कौनो एक राजनीतिक दलके अभियान नाइहो, बरु सम्मान, समानता ओ मानव अधिकारके लाग पुस्तैसि चलि आइल संघर्षके निरन्तरता हो । पानीके धारा छुए नैपैना अवस्थासे लेके सार्वजनिक धारामे पानी भरना अधिकारसम, मन्दिर प्रवेश निषेधसे धार्मिक समानताके अधिकारसम, मृत जनावरके सिनो उठैना बाध्य बनैना परम्परासे ओकर उपलब्धि हासिल करल बा मने आज ओहे आन्दोलन सुस्ताइल अनुभूति हुइति बा । अत्रा लम्मा इतिहास बोकेल आन्दोलन कमजोर हुइल हो कि आन्दोलनके शृंखला टुटे लागल हो ? और गम्भीर प्रश्न खडा हुइल बा ।

दीपा नेपाली लम्मा समयसे माइतीघर मण्डलामे दलित आन्दोलनमे एक उचाइ थप मेरिक ‘सरकार कोठा खाली बा ?’ कहिके करटिरहल पाछेके नेपालके दलित आन्दोलनसे विसं १९९७ ओकरके छुवाछुतविरोधी अभियानसम अध्ययन करना जरुरी बा । विसं २०११ मे सहर्षनाथ कपाली, सिद्धिबहादुर खड्गीलगायतके सविनयतामे पशुपतिनाथ मन्दिर प्रवेशलगायतके आन्दोलनसे धार्मिक स्थलमे दलितके प्रवेश अधिकारहे राष्ट्रिय बहसके विषय बनाइल । विसं २०२१ मे भोजपुरके सिद्धकाली मन्दिर प्रवेश आन्दोलन ओ अन्य स्थानीय अभियानसे दलित आन्दोलनहे गाउँ गाउँसम विस्तार करल ।

२०४६ सालके राजनीतिक परिवर्तनपाछे दलित आन्दोलनसे नयाँ गति लेके । यी अवधिमे पानी भराउ आन्दोलन, मन्दिर प्रवेश आन्दोलन, होटेल प्रवेश आन्दोलन ओ सार्वजनिक सेवामे समान पहुँचके लाग देशभर अभियान सञ्चालन हुइल । सिन्धुपाल्चोक, काभ्रेलगायतके जिल्लामे पानी भराउ आन्दोलनसे दलित समुदायहे सार्वजनिक धारासे पानी भरना अधिकार दिँलैना महत्वपूर्ण भूमिका खेलल रहे । ओस्टेक गोरखा, नवलपरासी, धनकुटा, चितवन, डोटीलगायतके जिल्लामे हुइल मन्दिर प्रवेश आन्दोलनसे धार्मिक विभेदहे चुनौती डेले कलेसे अन्य सांस्कृतिक आन्दोलनसे सामाजिक चेतनामे भारी परिवर्तन नानल । विसं २०५६/५७ मे सिराहा-सप्तरीमे हुइल ‘सिनो बहिष्कार आन्दोलन’ दलित आन्दोलनके औरै ऐतिहासिक अध्याय बनल । पुस्तैसि चमार समुदायउप्पर जबरजस्ती थोपरल मृत जनावर उठैना प्रथाविरुद्ध समुदाय एकजुट हुइलै । यी आन्दोलनसे केवल एक परम्पराके अन्त्यके माग नैकरल, बरु दलित समुदायके आत्मसम्मानके घोषणा करल ।

यी आन्दोलनके उपलब्धि छोट नैरहे । नेपालके संविधानमे समानता, समानुपातिक समावेशी सिद्धान्त, दलित अधिकारके संवैधानिक व्यवस्था, विसं २०६८ मे जातीय भेदभाव तथा छुवाछुत (कसुर ओ सजाय) ऐनके कार्यान्वयन ओ राज्यके टमान निकायमे समावेशी प्रतिनिधित्वके व्यवस्था आन्दोलनके प्रतिफल हो । दलित समुदायसे विद्यालय, मन्दिर,

सार्वजनिक धारा, होटेल तथा सरकारी सेवामे प्रवेशके धेर अवरोध कानुनी रूपमे हटैना सफल हुइल मने अत्रा धेर उपलब्धिपाछे फेन काहे दलित समुदाय अभिन राज्यके निर्णायक तहमे पुगे सेकल नैहो ? काहे दलित आन्दोलनसे एकीकृत रूप लेहे सेकल नैहो ? जैसिन प्रश्न अभिन अनुत्तरित बा ।

पुस्तान्तरणके अभाव

पाछेके वर्षमे नयाँ पुस्तासे आन्दोलनके नयाँ शैली अपनाइल बा । सामाजिक सञ्जाल, स्वतन्त्र नागरिक अभियान, सडक प्रदर्शन, कानुनी दबाव ओ सार्वजनिक बहसमार्फत उहाँहुके जातीय विभेदके घटनामे निरन्तर आवाज उठाइल बा । खगेन्द्र सुनार, दीपा नेपाली, जीवन

कमजोर बनल । राजनीतिक आबद्धतासे साभ्ना आन्दोलनहे प्रभावित करे लागल । परिणामतः आन्दोलनके निरन्तरता कमजोर हुइल । आजके पुस्ता परम्परासे ढेर यथार्थपरक बनल बा । आजके पुस्ता काल्हके मन्दिर प्रवेश आन्दोलनसे आधुनिकता ओ विभेदरहित आन्दोलनके उठान चाहठ ।

पुरान पुस्तासे प्रत्यक्ष छुवाछुत, सामाजिक बहिष्कार ओ संरचनागत विभेद भोगल रहे । टबेमार उहाँहुकनके आन्दोलन अधिकार प्राप्तिमे केन्द्रित रहे । नयाँ पुस्तासे शिक्षा, सूचना-प्रविधि ओ सहरीकरणके प्रभावमे फरक मेरिक चुनौती भोगल बा । उहाँहुके समान अवसर, प्रतिनिधित्व, सम्मान ओ पहिचानके नयाँ प्रश्न उठाइल

दलित आन्दोलनके इतिहाससे एक महत्वपूर्ण शिक्षा डेले बा, जब आन्दोलन साभ्ना हुइल, उपलब्धि फेन साभ्ना हुइल । पानी भराउ आन्दोलन, मन्दिर प्रवेश आन्दोलन, सिनो बहिष्कार आन्दोलन ओ छुवाछुतविरुद्धके राष्ट्रिय अभियान ओकर उदाहरण हो मने जब आन्दोलन विभाजित हुइल, उपलब्धिके गति फेन सुस्ताइल । आब दलित आन्दोलनहे नयाँ शृंखलामे जोरना समय आइल बा । आन्दोलनसे इतिहाससे ऊर्जा लेहे परठ मने भविष्यके मुद्दा फेन आत्मसात् करे परठ । पुरान नेतृत्वके अनुभव ओ युवापुस्ताके ऊर्जा एक मञ्चमे जोरे परठ । कौनो फेन दलितउप्परके अन्यायहे संगठनके नाइहो, सक्कु आन्दोलनके मुद्दा बनाइ परल । दलित आन्दोलनके भविष्य आन्दोलनके आकारमे नाइकि, आन्दोलनके एकतामे निर्भर बा । यदि इतिहासके शृंखला वर्तमानसँग जोरे सेक्लेसे आन्दोलनले फेन नयाँ उचाइ हासिल करे सेकि मने यदि नयाँ आवाजहे बेवास्ता करजाइ कलेसे ओ आन्दोलन राजनीतिक तथा संस्थागत सीमाभित्रे बाँध्जाइ कलेसे इतिहाससे डेहल उपलब्धि जोगैना फेन कठिन हुइ ।

घतानीलगायतसे उठाइल आवाजहे धिहे नयाँ पुस्ताके प्रतिनिधिके रूपमे हेरे सेक्जाइ । युवापुस्ताके आन्दोलन पुस्तान्तरण ओ रूपान्तरणसँग जोरल मने अइसिन अभियानहे मूलधारके दलित संगठन, राजनीतिक दलसँग आबद्ध दलित संगठन ओ पुरान नेतृत्वसे पूर्ण रूपमे साभ्ना आन्दोलनके रूपमे आत्मसात् करना हिचकिचाइति बटै ।

आजके युवापुस्तासे केवल छुवाछुतके अन्त्य किल मागल नैहो, उहाँहुके न्यायप्रणालीके प्रभावकारिता, राज्यके जवाफदेहिता, शिक्षा, रोजगारी, निजी क्षेत्रमे प्रतिनिधित्व, दलित महिलाउप्परके दोहोरो विभेद, बजेठमे समान पहुँच ओ सम्मानजनक जीवनके अधिकारहे फेन आन्दोलनके केन्द्रमे नानल बा । यी मुद्दा विगतके आन्दोलनके निरन्तरता हो, प्रतिस्पर्धी नैहुइति । टबेमार पुरान नेतृत्व ओ नयाँ पुस्ताबिच संवाद ओ सहकार्य अपरिहार्य बनल बा ।

यीबिच दलित आन्दोलनभित्रे औरै समस्या फेन डेखाइल । आन्दोलन साभ्ना अभियानसे राजनीतिक दल अनुसार विभाजित हुइ लागल । एक घटनामे सब दलित संगठन एक ठाउँमे रहना परम्परा

विचार गोपाल बराइली

जिम्मेवारी नैडेना ओ युवा पुरान पुस्ताके अनुभवहे पर्याप्त सम्मान नैकरल गुनासो दुनओर सुन्नाइठ । आघेक पुस्ता ओ अब्बेक पुस्ताबिच नियमित संवाद ओ सहकार्यके कमीसे दुरी बहल बा । संविधान, कानून ओ कुछ क्षेत्रमे प्रतिनिधित्व बहलपाछे दलित आन्दोलनके गति कुछ सुस्त हुइल पक्कै हो मने व्यवहारमे विभेद अभिन रहल ओरसे युवापुस्ता नयाँ ढंगसे आन्दोलन आवश्यक मानल बा ।

पुरान पुस्ताके अनुभव ओ युवाके ऊर्जा एक ठाउँमे जोरे सेक्लेसे किल आन्दोलन प्रभावकारी बने सेकि । नेतृत्व हस्तान्तरण, साभ्ना कार्ययोजना, प्रविधिके उपयोग, आर्थिक एजेन्डा ओ वैचारिक एकतासे आन्दोलनहे नयाँ उचाइ डेहे सेकि । अब्बेक समस्या युवा ओ पुरान पुस्तामध्ये के सही वा गलत कना नाइकि, मुख्य चुनौती पुस्तागत सोच, कार्यशैली ओ प्राथमिकताबिचके दुरी हो । पुरान पुस्ताके संघर्षसे अधिकारके आधार तयार करि कलेसे युवापुस्ता उहिनेहे नयाँ समय अनुसार विस्तार करे चाहल डेखाइठ । टबेमार दलित आन्दोलनके भविष्य पुस्तागत प्रतिस्पर्धामे नाइकि, अनुभव ओ ऊर्जाके समन्वयमे निर्भर रहल बा ।

आन्दोलनहे जोरना समय

दलित आन्दोलनके इतिहाससे एक महत्वपूर्ण शिक्षा डेले बा, जब आन्दोलन साभ्ना हुइल, उपलब्धि फेन साभ्ना हुइल । पानी भराउ आन्दोलन, मन्दिर प्रवेश आन्दोलन, सिनो बहिष्कार आन्दोलन ओ छुवाछुतविरुद्धके राष्ट्रिय अभियान ओकर उदाहरण हो मने जब आन्दोलन विभाजित हुइल, उपलब्धिके गति फेन सुस्ताइल । आब दलित आन्दोलनहे नयाँ शृंखलामे जोरना समय आइल बा । आन्दोलनसे इतिहाससे ऊर्जा लेहे परठ मने भविष्यके मुद्दा फेन आत्मसात् करे परठ । पुरान नेतृत्वके अनुभव ओ युवापुस्ताके ऊर्जा एक मञ्चमे जोरे परठ । कौनो फेन दलितउप्परके अन्यायहे संगठनके नाइहो, सक्कु आन्दोलनके मुद्दा बनाइ परल । दलित आन्दोलनके भविष्य आन्दोलनके आकारमे नाइकि, आन्दोलनके एकतामे निर्भर बा । यदि इतिहासके शृंखला वर्तमानसँग जोरे सेक्लेसे आन्दोलनले फेन नयाँ उचाइ हासिल करे सेकि मने यदि नयाँ आवाजहे बेवास्ता करजाइ कलेसे ओ आन्दोलन राजनीतिक तथा संस्थागत सीमाभित्रे बाँध्जाइ कलेसे इतिहाससे डेहल उपलब्धि जोगैना फेन कठिन हुइ ।

आजके आवश्यकता नयाँ आन्दोलन नाइकि, आन्दोलनके पुनः एकीकरण हो । काठमाडौंके माइतीघरमे हुइतिरहल सत्याग्रह रहे वा संसदे दलित समुदायके सांसदसे दलित अधिकार प्राप्तिके लाग उठाइल आवाज काल्हके दलित आन्दोलनके निरन्तरता हो काहेकि दलित आन्दोलनके वास्तविक शक्ति नारामे नाइकि, साभ्ना उद्देश्य, साभ्ना नेतृत्व ओ साभ्ना संघर्षमे निहित बा कना अपनहे अग्रज कना ओ युवापुस्ताबिच समन्वय जरुरी बा ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ४ स्थित कित्ता नं. ७५९ क्षेत्रफल १७५.७७ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री पदमा कुँवरले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पूर्व: धना कुमारी कार्की पश्चिम: हेम राज पाण्डेय

उत्तर: चित्रा पाण्डेय दक्षिण: बाटो

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ८ स्थित कित्ता नं. २३७ क्षेत्रफल ५१० वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री राम दत्त उपाध्यायले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पूर्व: प्रेम कमल जोशी पश्चिम: अमर राज जोशी

उत्तर: दमन चलाउने दक्षिण: बाटो

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

आयुर्वेद चिकित्सालय

नागरिकके भरोसा बहल, सरकारके ध्यान बहल नै हो

पहुरा समाचारवाता

धनगढी, ३० सावन । प्रादेशिक आयुर्वेद चिकित्सालय, धनगढीके शौचालयमे एक वर्षसम तात्का लागल । भुइँतलाके शौचालय बन्द हुइलपाछे नेडघुम कैना कठिनाइ हुइल बिरामीके खड्डु चहरके उपर तलामे पुना बाध्य हुइल ।

पूँजीगत खर्च किल र पाँच लाख हुइल चिकित्सालय न समयमे शौचालय मर्मत करे सेकल, न त जडान हुइ सेकल लिफ्ट सञ्चालनमे ल्यानल बिरामीहे सेवा देना ।

अपन अन्य चिकित्सा सेवामे खर्च कटौती करके एक वर्षपाछे अस्पताल व्यवस्थापनसे आन्तरिक स्रोतसे शौचालयके समस्या त समाधान करल मने लिफ्ट अभिन सञ्चालनमे आइना सेकल नै हो । असिक अस्पतालमे बिरामीके सहजताके लग बनाइल पूर्वाधार बटै मने उहिन उपयोग कैना आर्थिक अभाव बा । प्रदेश सरकारसे छुट्याइल र पाँच लाख पूँजीगत रकमसे कुछ महिनाके सामान्य मर्मत खर्चके नै पुगल । एउटा शौचालय मर्मतलगायतके कामके लग र २० लाख जोहो कैना एक वर्ष हेरेक परल, व्यवस्थापन समिति अध्यक्ष कर्णबहादुर बलायार कहलै ।

इ समस्या प्रादेशिक आयुर्वेद चिकित्सालयके एउटा शौचालय ओ लिफ्टके किल नै हो । करोडौं रुपयाँ लगानी करके निर्माण करल ५० शय्याके अस्पतालहे पूर्ण क्षमतामे सञ्चालन करे नै सेकना औरे समस्या बा । ओकर लग न स्थायी दरबन्दी बा, न त सेवा सुधारके लग अस्थायी विशेषज्ञ चिकित्सक ।

धनगढी-१३ राजपुरमे रहल चिकित्सालय हालसम तत्कालीन सेती अञ्चल आयुर्वेद चिकित्सालय मर्ज हुइल प्राप्त स्थायी दरबन्दीके भरमे सञ्चालन हुइटी रहल बा । कुल ५० शय्याके अस्पतालके लग आवश्यक लावा सङ्गठन ओ व्यवस्थापन (ओ एन्ड एम) सर्वेक्षण स्वीकृत नै हुइत आवश्यक जनशक्ति थप्ना नै सेकल हो । एमडी तहके विशेषज्ञ चिकित्सक एक जाने किल बटै ।

“भौतिक संरचना ५० शय्याके हुइल फे हाल ढेरमे ३० शय्यासम सेवा देना सेकना अवस्था बा । पर्याप्त जनशक्ति ओ स्रोतसाधन नै रहठ अस्पतालसे अपन संरचनाके पूर्ण क्षमता उपयोग करे सेकना नै हो,” निमित्त मेडिकल सुपरिटेन्डेन्ट डा ओमप्रकाश कलौनी कहलै, “अस्पतालके समस्या अत्रमे सीमित नै हो । सामान्य मर्मतसम्भारके लग समेत पर्याप्त बजेट नै हुइत सेवा प्रभावित हुइना करल बा ।”

विसं २०७६ मे इ चिकित्सालय प्रदेश मातहतमे आइल । ५० शय्यामे सञ्चालन कैना करके केन्द्रीय सरकारसे धनगढी उप-महानगरपालिका-१३

राजपुरमे बनै देना संरचना २०७८ चैतमे व्यवस्थापन समितिहे हस्तान्तरण करल ।

तीनतले भवनमे हाल करिब ३० शय्या सञ्चालन करे सेकना बा, मने स्थायी सङ्गठन ओ व्यवस्थापन सर्वेक्षण नै हुइत पर्याप्त जनशक्ति नै हो । तत्कालीन सेती अञ्चल आयुर्वेद चिकित्सालय ‘मर्ज’ हुइल आइल बा जाने स्थायी ओ अरारके २७ जाने जनशक्तिसे सेवा देहेक पर्ना बा । ओम्नेमेफे उच्च तहके विशेषज्ञ चिकित्सक एक जाने किल बटै ।

अस्पतालमे लिफ्ट जडान हुइना अशक्त, ज्येष्ठ नागरिक ओ नेडडुल कैना कठिनाइ हुइल बिरामीके लग महत्वपूर्ण सुविधा हो निर्माण सम्पन्न हुइलफे ठेकेदारसे हस्तान्तरण नै करना सञ्चालनमे आइ सेकल नै हो । भवन हस्तान्तरण हुइल करिब पाँच वर्षसमफे लिफ्ट सञ्चालन हुइ नै सेकल हो । व्यवस्थापन समिति अध्यक्ष बलायार हाल अन्तिम समयसीमा तकल ठेकेदारहे भुक्तानी समस्या समाधान कैना कहल ओ अब्बेके एक/डेढ हप्तामे ओकर सुनुवाइ नै हुइल कानुनी प्रक्रियामे जाने निष्कर्षमे पुगल बटै ।

स्वास्थ्य संस्थाके लग शौचालय, लिफ्ट ओ मर्मतसम्भार विलासिताके पूर्वाधार नै हो । बिरामीके उपचारमे सहज पहुँचके आधारभूत पूर्वाधार हुइना मने इहे सामान्य आवश्यकताके लग अस्पतालसे बजेट अभाव भेलटी रहल निमित्त मेसु डा कलौनी बटैलै ।

आकर्षण बहल चिकित्सालयमे बहिरङ्ग, अन्तरङ्ग, शल्य चिकित्सा, पञ्चकर्म, प्रयोगशाला, एक्स-रे, भिडियो एक्स-रे, इसिजी ओ योग सेवा उपलब्ध बटै । सेवा विस्तारसँगे उहाँ हरेक आर्थिक वर्णमे निरन्तर सेवाग्राहीके सत्ता बहल गिल बा ।

तथ्याङ्कमे आव २०८१/८२ के तुलनामे २०८२/८३ मे कुल सेवा लेना सेवाग्राहीके सत्ता ३५ प्रतिशतसे वृद्धि हुइल रहे । आव २०८१/८२ मे ३५ हजार ६८१ जाने सेवा लेहलमे गत वर्ष उ सत्ता बहल ४८ हजार १६५ पुगल बा । लावा सेवाग्राहीके सत्ता किल ४१ दशमलव चार प्रतिशतसे बहल २८ हजार १८३ से ३९ हजार ८५६ पुगल चिकित्सालयसे जनैले बा । ‘फलोअप’मे आइना सेवाग्राहीफे १० दशमलव आठ प्रतिशतसे बहल सूचना अधिकारी सुरेन्द्रबहादुर शाही जानकारी देलै ।

चिकित्सालयमे उपचार सेवाके विस्तारसँगे सेवाग्राहीके आकर्षण बहल देखल बा । गत वर्ष फिजियोथेरापी, स्वर्णविन्दु प्राशन, जालौके चिकित्सा, अग्निर्कर्म, बस्तीकर्मलगायत लावा सेवा विस्तार हुइल रहे । उपचारके टमान सेवामध्ये स्वर्णविन्दु प्राशन सेवा लेना सत्ता ३८६ से बहल छ हजार ६१८ पुगल बा, जुन एक हजार ६१४ दशमलव पाँच प्रतिशत वृद्धि हो ।

अग्निर्कर्म सेवा लेना सत्ताफे छ जाने बहल २४४ पुगल बा । मात्राबस्ती सेवा ९४ से एक हजार १६८ पुगल तथ्याङ्कमे उल्लेख बा ।

ओस्टेक करके, होमियोप्याथी सेवा लेना सेवाग्राही ६५७ से बहैना दुई हजार १०१ पुगल बटै । प्रयोगशाला सेवा तीन हजार ३८४ से चार हजार ४९५, कटिबस्ती एक हजार ८६३ से चार हजार ७७४, जानुबस्ती ८७२ से एक हजार ९९८ ओ एकाङ्ग स्वेदन तीन हजार १३१ से आठ हजार २५१ पुगल बा ।

आयुर्वेद उपचारमे प्रयोग हुइना निःशुल्क औषधि वितरणसमेत बहल बा । आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मे १८ हजार ३७० जानहे औषधि वितरण करलमे २०८२/८३ मे २१ हजार ९११ जाने निःशुल्क औषधि पाइल बटै, जुन १९ दशमलव तीन प्रतिशत वृद्धि हो ।

उपचार सेवा किल नै हुइ चिकित्सालयसे आयुर्वेद औषधि उत्पादनमे समेत अपन क्षमता विस्तार करल बा । गत आवमे ३२ मेरके औषधीय जडीबुटी प्रयोग करके ११ मेरके आयुर्वेद औषधि उत्पादन करल बा । उत्पादित औषधिके अनुमानित बजार मूल्य र एक करोडसे ढेर रहल निमित्त मेसु डा कलौनीसे जानकारी देलै ।

गुणस्तरीय औषधिके उपलब्धता सुनिश्चित कैना चिकित्सालयसे सिंहदरबार वैद्यखानासँगे ‘गभर्मेन्ट टू गभर्मेन्ट’ प्रक्रियामार्फत र ७६ लाख चार हजार ४६१ बराबरके आयुर्वेद औषधि खरिदसमेत करल बा ।

चिकित्सालयके अनुसार सेवा विस्तार, लावा उपचार विधिके सुरुआत ओ निःशुल्क औषधि उपलब्धतासे आयुर्वेद उपचारप्रति सेवाग्राहीके आकर्षण बहल योगदान पुगल बा ।

प्राथमिकता देहेक पर्नामे जोड सुदूरपश्चिम प्रदेशके पञ्चवर्षीय योजनासे प्रदेशअन्तर्गतके आयुर्वेद चिकित्सालय, औषधालय ओ आयुर्वेद स्वास्थ्य केन्द्रहे सुदृढ करटी प्रत्येक स्थानीय तहमे आयुर्वेद स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करल लक्ष्य राखल बा

सुदूरपश्चिम प्रदेश स्वास्थ्य नीति, २०७८ से आयुर्वेद ओ वैकल्पिक चिकित्सा सेवाहे विस्तार कैना ओ प्रदेश आयुर्वेद औषधालयहे प्रादेशिक आयुर्वेद अस्पताल ओ अनुसन्धान केन्द्रके रूपमे विकास कैना नीति लेहल बा ।

सुदूरपश्चिम आयुर्वेद प्रतिष्ठान ऐन, २०७६ से प्रदेशमे एक औरे औरे आयुर्वेद चिकित्सालय प्रतिष्ठान बनाके अध्ययन, अध्यापन ओ अनुसन्धानके व्यवस्था करके दक्ष जनशक्ति उत्पादन ओ गुणस्तरीय सेवा देहल कहटी बा ।

ओकर लग इहे चिकित्सालयहे विकास कैना पूर्वाधार ओ आधारभूत संरचना तयार बा मने प्रदेश सरकारके

प्राथमिकतामे नै पर्ना हालके क्षेत्राधिकार अनुसारके सेवा उपयोग कैना नै सेकना चिकित्सालय व्यवस्थापन समितिके सदस्य शिवनारायण रानाके गुनासो बा ।

पचास शय्याके अस्पताल, प्रयोगशाला, पञ्चकर्मलगायत सेवा विस्तारके सम्भावना हुइल संस्थाके पूँजीगत खर्च र पाँच लाखमे सीमित हुइना स्वास्थ्य पूर्वाधारप्रति सरकारी उदासीनताहे प्रस्ट पराठ उहाँ कहटै । व्यवस्थापन समिति सदस्य राना कैलाली जिल्लाके नागरिकहे प्रत्यक्ष ओ समग्र सुदूरपश्चिमके नागरिकहे ‘रेफरल’ चिकित्सालय अन्य जिल्लास्तरके संरचना जतिफे प्राथमिकतामे नै परल बटैलै । अस्पतालमे सेवा लेना आइना नागरिकके सत्ता निरन्तर बहल बा । आयुर्वेद उपचारप्रति नागरिकके आकर्षण बहटी रहल बेला प्रदेश सरकारके लगानी ओ प्राथमिकता कहटी ओकर अनुसार बहना सेकल नै हो । ओकरसे पूर्वाधार विकास, सेवा विस्तार ओ स्तरोन्नतिमे समस्या हुइटी रहल बा,” उहाँ कहाइ ।

चिकित्सालयहे ५० शय्याके पूर्ण क्षमतामे सञ्चालन कैना सेकना आयुर्वेद उपचारके साथे पञ्चकर्म, पुनर्स्थापना उपचार, क्षारसूत्र, जीवनशैलीजन्य रोग व्यवस्थापनलगायत सेवा विस्तार कैना सेकना अस्पताल प्रशासनसे जनैले बा ।

ओकरके लग सक्कु पहिल लावा सङ्गठन संरचना स्वीकृत करके आवश्यक जनशक्ति व्यवस्थापन, नियमित सञ्चालन ओ मर्मतके लग पर्याप्त बजेट ओ निर्माण सम्पन्न हुइटी सेकल संरचनाके उपयोग सुनिश्चित करल पर्ना सूचना अधिकारी शाहीके जोड बा ।

चिकित्सालय प्रशासनके अनुसार ५० शय्याके पूर्ण क्षमतामे सेवा सञ्चालनके लग तत्काल सङ्गठन ओ व्यवस्थापन संरचना स्वीकृत करके आवश्यक जनशक्ति व्यवस्थापन करेक पर्ना आवश्यकता बा ।

ओस्टेक, नियमित सञ्चालन ओ मर्मतके लग पर्याप्त बजेट ओ निर्माण सम्पन्न हुइसेकना संरचनाके उपयोग सुनिश्चित करेक पर्ना देखल बा । असिन हुइ सेकना किल तयार हुइसेकल ५० शय्याके भौतिक संरचना नागरिकके स्वास्थ्य सेवामे पूर्ण रूपमे उपयोग हुइ सेकना विश्वास करल बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय

दक्षिण अफ्रिकाके खानीमे दुर्घटना, १४ जहनके मृत्यु

काठमाडौं, ३० सावन । दक्षिण अफ्रिकाके रुस्टनबर्गलगेक प्रयोगविहीन खानीमे चट्टान गिरके १४ जाने अनधिकृत खानी मजदुरके मृत्यु हुइल बा कलेसे आठ जाने गम्भीर घाहिल हुइल बटै । प्रहरी दुर्घटनाबारे जानकारी डेटि उद्धार तथा घटनास्थलके अनुसन्धान आघे बहल जनैले बा ।

जोहानेसबर्गसे करिब १०० किलोमिटर उत्तरपश्चिममे रहल रुस्टनबर्ग सहरलगे दुर्घटना हुइल हो । घटनास्थलमे अधिकारी नैगुल ओरसे मृतक तथा घाहिलके थप विवरण तत्काल उपलब्ध नैहुइल प्रान्तीय प्रहरी प्रवक्ता कर्नल एडेले माइबर्ग बटैले बटै । मृतकके राष्ट्रियतासमेत खुल बाँकी रहल उहाँ बटैलै ।

प्रहरीसे जारी करल विज्ञप्तिमे प्रयोग नैकरल खानीमे १४ जाने

अनधिकृत खानी मजदुरके मृत्यु हुइल उल्लेख बा । प्रवक्ता माइबर्गके अनुसार अन्य आठ जाने मजदुर गम्भीर घाइते हुइल बटै ओ उहाँहुकनके उद्धार तथा उपचारके व्यवस्था हुइतिरहल बा ।

दक्षिण अफ्रिकामे ‘जामा जामा’ कहिके चिन्ह हजारौं दर्ताविहीन खानी मजदुर अइसिन परित्यक्त तथा प्रयोगविहीन खानीमे सुन ओ अन्य खनिजके खोजी करटि आइल बटै । ओइने प्रायः अत्यन्त कठिन ओ जोखिमपूर्ण अवस्थामे खानीभित्तर प्रवेश कैके खनिज निकरना करटै ।

यी मजदुरमध्ये टमानजैसिन गरिबी तथा बेरोजगारीके कारण दक्षिणी अफ्रिकाके टमान मुलकसे यी क्षेत्रमे अइना करटै । अनधिकृत खानी गतिविधि संगठित अपराध, हत्या, जबर्जस्ती असुली तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधिसँग समेत जोरल बा ।

विपतपुर.....

मिल्लके विकासके आघे बहे सेकजाई ओ आपन पुरान अधिकारके संगसंगे जाई सेकजाई । उहाँ मिलनपुर ओ विपतपुरके जस्टे और ठाउँमे विवाद हुइल मने मिल्लके गैल बटैली ।

दुनु गाउँके भल्मन्सासे सहमति पत्र साटासाट

विपतपुरके भल्मन्सा दाउराम चौधरी ओ मिलनपुरके भल्मन्सा भागीराम चौधरी ११ बुँदे सहमति पत्र एक दुसरसे साटासाट करके आपससे मिलके जैना प्रतिवद्धता व्यक्त करले बटै । उ संगे दुनु गाउँके मनै ठोपी बजाके खुशी साटिक साट करल रहिट ।

दुनु बस्ती विच साभ्ना विकल्प पारितके लाग संयुक्त बैठक

विवाद समाधानके लाग प्राकृतिक स्रोत द्वन्द्व रूपापन्तरण केन्ऩे नेपालके सहजीकरण, कैलारी गाउँपालिकाके न्यायिक समितिके आयोजना, वडा नम्बर ७ के कार्यालयके समन्वयमे द्वन्द्व रूपापन्तरण प्रक्रिया अनुसार माकुराके सहजीकरणमे दुनु बस्ती विच साभ्ना विकल्प पारितके लाग संयुक्त, बैठक सम्पन्न हुइल बा ।

“दिगो शान्तिके लाग उन्नत सम्बन्ध” कना मूल नाराके साथ साभ्ना विकल्प पारित करेक लाग संयुक्त बैठक तथा खाट विधि सम्पन्न हुइल हो । वडा सदस्य

तथा माकुरा समूहके सदस्य टुनीराम चौधरीके सभाध्यक्षतामे सम्पन्न कार्यक्रममे कैलारी गाउँपालिका न्यायिक समिति संयोजक भगवती कुमारी चौधरी प्रमुख अतिथिके रूपमे उपस्थित रहिट ।

कार्यक्रमके उद्देश्य तथा विषयवस्तुबारे प्राकृतिक स्रोत द्वन्द्व रूपापन्तरण केन्ऩे कैलालीके स्रोत व्यक्ति श्री गंगा दुलाल जानकारी कराइल रहिट ।

कार्यक्रममे केन्ऩेके पश्चिम क्षेत्रीय संयोजक बल्लु चौधरी विवादसे भलो नैहुइना बल्की दुनु बस्तीहे घाटा हुइना बाट बत्वाइल रहिट । कार्यक्रमके सहजीकरण बन्धु प्रसाद चौधरी करल रहिट ।

स्वागत मन्तव्य माकुरा समूहके सदस्य दोङ्गली चौधरी ओ सञ्चालन माकुरा समूहके सदस्य रमिता चौधरी करल रहिट । स्थानीयस्तरमे डेखल विवाद तथा द्वन्द्वहे संवाद, सहकार्य ओ आपसी समझदारीमार्फत समाधान करटी दिगो शान्ति ओ सुमधुर सम्बन्ध कायम कैना सहमति हुइल बा । कार्यक्रममे अतिथिमे रूपमे विपतपुर गाउँके भल्मन्सा दाउराम चौधरी, मिलनपुर गाउँके भल्मन्सा भागीराम चौधरी, श्री बुटकुहवा प्रा.वि. विद्यालय व्यवस्थापन समितिके अध्यक्ष श्री कृष्णी चौधरी, प्राकृतिक स्रोत द्वन्द्व रूपापन्तरण केन्ऩे नेपाल पश्चिम क्षेत्रके क्षेत्रीय संयोजक बल्लु चौधरी, पहुरा दैनिकके सम्पादक प्रेम चौधरी लगायत टमान दुनु गाउँके स्थानीयबासीहुकनके उपस्थिति रहे ।

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरु

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुस्के, पेट दुस्के समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुस्के तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)

NMC No. 15308

कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ९ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।



संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

मुख्यमन्त्री भट्टके पहिल निर्णय सुदूरपश्चिमके अस्पतालमे डायलाइसिस सेवा विस्तार

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेशके नवनिर्वाचित मुख्यमन्त्री खगाराज भट्ट प्रदेशके स्वास्थ्य सेवा सुधारहे प्राथमिकतामे रखटी सर्वसाधारण नागरिकहे सहज ओ गुणस्तरीय उपचार सेवा उपलब्ध करैना प्रतिबद्धता जनैले बटै ।

शुकके मुख्यमन्त्रीमे नियुक्त हुइल भट्ट पद तथा गोपनीयताके शपथ लेके कार्यभार सम्भारलपाछे बैठल पहिल मन्त्रिपरिषद् बैठकसे स्वास्थ्य सेवा विस्तार ओ सुधारसम्बन्धी महत्त्वपूर्ण

निर्णय करल हो ।

बैठकसे प्रदेशभरके अस्पतालमे डायलाइसिस सेवा विस्तार कैना निर्णय करल मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्के कार्यालय जनैले बा । निर्णयानुसार सेती प्रादेशिक अस्पतालमे पाँच, महाकाली प्रादेशिक अस्पतालमे चार ओ टीकापुर प्रादेशिक अस्पतालमे तीन डायलाइसिस शय्या थप करजैना बा ।

ओस्टके, लम्कीचुहा अस्पतालमे पाँच शय्या तथा बयलपाटा ओ जोगबुडा प्रादेशिक अस्पतालसहित

प्रदेशके सक्कु जिल्ला अस्पतालमे दुई-दुई डायलाइसिस शय्या विस्तार कैना निर्णय करल बा ।

मन्त्रिपरिषद्के पहिल बैठकसे टमान आन्दोलनके क्रममे ज्यान गुमाइल सहिदप्रति श्रद्धाञ्जलीसमेत व्यक्त करल बा । शुकके मुख्यमन्त्री भट्टसहित नेकपा एमालेके तीन मन्त्री ओ एक राज्यमन्त्री पद तथा गोपनीयताके शपथ लेहल रहित । मन्त्रिपरिषद् बैठकमे मुख्यमन्त्री भट्टसँगै सामाजिक विकासमन्त्री सन्तोष शर्मा थापा, आर्थिक मामिलामन्त्री चक्र मल्ल ओ

भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारीमन्त्री दमन भण्डारी सहभागी रहित । पदभार ग्रहण कैटी मुख्यमन्त्रीसहित मन्त्री नागरिकमैत्री ओ प्रभावकारी सेवा प्रवाहहे प्राथमिकता देना बटैले बटै ।

संघीयताके ममानुसार प्रदेश संरचनाहे प्रभावकारी बनैटी सुशासन, पारदर्शिता ओ नागरिकके सहज पहुँचमे केन्द्रित होके काम कैना उहाँहुनके प्रतिबद्धता रहल बा ।

नयाँ सरकारके पहिल मन्त्रिपरिषद् बैठकसे स्वास्थ्य क्षेत्रमे सुधार ओ डायलाइसिस सेवा विस्तारके निर्णय हुइलपाछे सुदूरपश्चिमके मिर्गौला रोगी तथा नियमित डायलाइसिस आवश्यक पर्ना बिरामी उपचारके लाग डुर जाइ पर्ना बाध्यता कुछ हदसम कम हुइना अपेक्षा करल बा ।

खुटिया-दिपायल सडकखण्ड तीन बरसमे निर्माण पूरा हुइना

पहुरा समाचारदाता

डोटी, ३० सावन । धनगढी-खुटिया-दिपायल-चैनपुर-उरईभन्ज्याङ सडक आयोजना अन्तर्गत कैलालीके खुटियासे डोटीके दिपायलसमके खुटिया-दिपायल सडकखण्ड आगामी तीन बरसमे निर्माण सम्पन्न हुइना मेरके कार्य आधे बहाइल बा ।

धनगढी-खुटिया-दिपायल-चैनपुर-उरईभन्ज्याङ सडक आयोजना प्रमुख शशाङ्क मिश्रसे डेहल जानकारी अनुसार चालु आर्थिक बरस २०८३/८४ मे उ सडकखण्डमे ५० करोड रुपियाँ विनियोजन हुइलपाछे निर्माणसे तीव्रता पैना अपेक्षा करल बा ।

आयोजना प्रमुख मिश्र कहलै, “चालु आवमे ५५ करोड रुपियाँके ठेक्का प्रक्रिया आधे बहसेकल बा । थप डेढ अर्ब रुपियाँके बजेट एग्रेचके लाग हम्मे फाइल पेस कैना तयारीमे बटी । उ

फाइल स्वीकृत हुइ कलेसे तीन बरसभितरे दिपायलसमके काम हुइल” खुटिया-दिपायल सडकखण्डमे पर्ना १७ पुलमध्ये चार पुलके निर्माण पूरा होसेकल बा । तीन पुलके काम जारी रहल आयोजना प्रमुख मिश्र बटैले । कैलालीके धनगढीसे दिपायलसमके ८६ किलोमिटरमध्ये २० किलोमिटर सडकके कालोपत्रे पूरा हुइल बा ।

आव २०६५/६६ सालमे सडक विभागसे सुरु हुइल इ सडकहे सुरुवातमे डिभिजन सडक कार्यालय कुलपाटे डोटी अन्तर्गत राखल रहे । आव २०७३/७४ से धनगढी-खुटिया-दिपायल-चैनपुर-उरईभन्ज्याङ सडक आयोजनाके छुट्टे कार्यालय स्थापना कैके काम हुइटी रहल बा । पाँच बरसमे दिपायलसम यातायात सञ्चालन कैना लक्ष्यसहित सुरु हुइल उ सडक निर्माण सुरु हुइल १८ बरस पूरा हुइलेसे फेन मजासे दर्याकसमेत

खुले सेकल नैहो । सुरुमे खुटिया-बिपीनगर-दिपायल नामकरण करल उ सडकपाछे बभनाङके सदरमुकाम चैनपुरसम जोना कहल रहे ।

हाल उत्तरदक्षिण भारत ओ चीन अन्तर्राष्ट्रिय नाका जोना मेरके उ सडकके नाउँ ‘धनगढी-खुटिया-दिपायल-चैनपुर-उरईभन्ज्याङ’ राखल बा ।

उ सडकखण्ड निर्वाचनके समयमे दलके मुख्य चुनवी एजेन्डा बना करल बा । गत आवमे विनियोजन हुइल १५ करोड रुपियाँसमेत काम हुइ नैसेकके फ्रिज गैल रहे ।

हाल धनगढीसे दिपायलसमके यात्राके लाग डडेलधुरा हुइटी १९० किलोमिटरके दुरी यात्रा करे परट । धनगढी-खुटिया-दिपायल सडक सञ्चालनमे आइलमे धनगढी दिपायलके दुरी १०५ किलोमिटर हुइना बा ।

जेन-जी आन्दोलनके माग सम्बोधन कैना विशेष समन्वय

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, ३० सावन । सरकारसे २०८२ साल भदौ २३ ओ २४ गते हुइल जेन-जी आन्दोलनके घाहिल ओ सहिद परिवारके माग सम्बोधन कैना विशेष समन्वय समिति गठन करके कार्य प्रारम्भ करल बा । समितिके पहिल बैठकसमेत सम्पन्न हुइ सेकल बा ।

प्रधानमन्त्री ओ मन्त्रीपरिषद्के कार्यालयके सहसचिव हेमराज अर्यालके संयोजकत्वमे ‘जेन-जी सम्झौता ओ एकीकृत प्याकेज कार्यान्वयन समन्वय ओ सहजीकरण समिति’ गठन करल हो । इ समितिसे सरकार ओ आन्दोलनकारी पक्षबिच हुइल सम्झौताके कार्यान्वयन ओ समन्वयमे मुख्य भूमिका खेल्ना बा ।

नेपाल सरकार ओ जेन-जी प्रतिनिधिबिच २०८२ अगहन २४ गते हुइल सम्झौता ओ मन्त्रीपरिषद्के २०८३ असार १८ गतेके निर्णयसे स्वीकृत ‘जेन-जी आन्दोलनके सहिद परिवार ओ घाहिलके लग समन्वित पुनर्स्थापना, जीवनयापन ओ सामाजिक संरक्षणसम्बन्धी एकीकृत प्याकेज’के प्रभावकारी कार्यान्वयनके प्रगति

समीक्षा कैना मुख्य जिम्मेवारी समितिहे तोकल बा । समितिसे प्याकेज कार्यान्वयनके लग टमान मन्त्रालयबिच आपसी समन्वय कायम करल बा ।

इ समितिसे आन्दोलनके घाहिल ओ सहिद परिवारके लग प्रत्यक्ष सम्पर्क बिन्दुके रूपमे काम कैना बा । मन्त्रीपरिषदसे स्वीकृत प्याकेजमे व्यवस्था हुइल बमोजिम प्रभावित परिवारके शिक्षा, स्वास्थ्य ओ रोजगारीसहितके संबेदनशील विषय कार्यान्वयनमे ल्यानल समितिसे टमान सरकारी निकायसँग आवश्यक समन्वय ओ सहजीकरण कैना कायदेशि पाइल बा । सम्झौता ओ प्याकेज कार्यान्वयनके क्रममे आइना सेवना व्यावहारिक समस्या ओ जटिलता समाधान कैना समितिसे आवश्यक सुधारके उपाय पहिल्याई सम्बन्धित निकायमे सिफारिस कैना बा ।

अपन कायदेशिबमोजिम काम कैना क्रममे समितिसे आवश्यकतानुसार सरकारी ओ गैरसरकारी प्रतिनिधि ओ विषयगत विशेषज्ञहे समेत आमन्त्रण करके छलफल ओ बैठक सञ्चालन करे सेवना व्यवस्था करल बा ।

हरेरी महोत्सव-२०८३ भव्यताके साथ सफल पारी

‘भाषा, संस्कृति, कला, भेष, भुषा हमार पहिचान, हरेरी महोत्सव मनैना सक्कु किसाननके अभियान’ कना मुल नारा सहित धनगढी उपमहानगरपालिका-५, जाईमे ‘हरेरी महोत्सव-२०८३’ यिहे भदौ ५ गतेसे ७ गतेसम हुइना महोत्सवहे भव्यताके साथ सफल पारी । साथे यहाँस्थित सक्कु जनसमुदायहुनहे महोत्सव अवलोकनके लाग हार्दिक अनुरोध करल बा ।

महोत्सवके उद्देश्य:

१. थारु समुदायमे परापूर्व कालसे पुजजैना दुरिया पुजा, असारी पुजा, लवाङ्गी पुजा लगायत हरेरी पूजाहे प्रचारप्रसार एवं संरक्षण सम्बर्द्धन कैना ।
२. कृषि क्षेत्रके आधुनिकीकरण कर्ना ओ कला संस्कृतिके संरक्षण तथा प्रवर्द्धन ।
३. कृषि क्षेत्रके विकास एवं सम्भावनावारे छलफल ।
४. हरियर कृषि, वनुवा, मैदान बनाके वातावरण सन्तुलन कैना ।

मुख्य आकर्षण: थारु समुदायके लोपोन्मुख मुंगहुवा नाच, लठठहुवा नाच, लाठी, सखिया, भुम्पा, हरडुडुवा नाँच, एकल नाँच, बर्कीमार, एकल डाँन्स, बेक्रिड डाँन्स, गुपिड डाँन्स, सजना, टमान सांस्कृतिक कार्यक्रम लगायत थारु राष्ट्रिय गायक, साहित्यकारहुनसे गीत, गजल, मुक्तक प्रस्तुतिकरणके साथे हास्य कलाकारहुनसे हाँस्यव्यंग्य प्रस्तुत । साथे ढेलुवा चहुर्ना, मचान(अँटुवा) चहुर्ना, थारु संग्राहलयके अवलोकन ।

खानपिन: १) थारु समुदायके तमान परिकार ढिक्री, अण्डीक भात, खुर्मा, बरिया, खरिया, अण्डीक रोटी, गेडगटाक टिना, घोंघीक टिना, सुरीक सिकार । २) रानाथारु समुदायके खानपान ।

महोत्सव हुइना कार्यक्रम

मिति २०८३/०५/०४ गते रात ९ बजेसे सकारे पाँचबजे सम डेवाल बर्ना ।

मिति २०८३/०५/०५ गते सकारे ८ बजे हरेरी पूजा, ९ बजेसे खेतुवामे दूध (खिरबन) छिटना, १० बजेसे अखरिया खेल्ना, सुस्वाइना, उद्घाटन हुइना ।

मिति २०८३/०५/०७ गते २ बजेसे समापन कार्यक्रम हुइना ।

स्थान: धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नम्बर ५ जाई गाउँके देउथान मन्दिर

आयोजक

हरेरी महोत्सव मूल आयोजक समिति

धनगढी उपमहानगरपालिका-५, जाई, सम्पर्क नं. ९८१२६२१०७३

सर्पको टोकाइबाट बचाउँ र बचाऔँ

- ❖ आफ्नो नजिक सर्पदंश उपचार केन्द्र कहाँ छ ? जानकारी राखौँ,
- ❖ सर्पले डसेका व्यक्ति आत्तिन सक्छन्, सान्त्वना दिऔँ,
- ❖ सर्पले डसेका व्यक्तिलाई तुरुन्त अस्पताल वा सर्पदंश उपचार केन्द्र पुर्‍याऔँ,
- ❖ झारफूकलगायतका गलत परम्परागत उपचार विधिद्वारा नलागौँ,
- ❖ घरवरपरका सर्प बस्नसक्ने सम्भावित ठाउँको पहिचान गरी व्यवस्थापन गरौँ,
- ❖ रातको समयमा बुट लगाएर टर्च लाईट बालेर हिड्ने गरौँ,
- ❖ घरमा सर्प छिर्न सक्ने प्वालहरू बन्द गरौँ,
- ❖ झुल लगाएर खाटमा सुत्ने गरौँ ।



विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौँ

- ❖ वर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङ्गको जोखिम हुन सक्छ,
- ❖ सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौँ, सचेत बनौँ,
- ❖ जोखिमयुक्त स्थानमा नबसौँ, सुरक्षित स्थानमा बसौँ,
- ❖ नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरू विशेष सतर्क रहौँ,
- ❖ सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔँ,
- ❖ घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौँ,
- ❖ सम्पर्क बिन्दुहरू तय गरौँ, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔँ,
- ❖ खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौँ,
- ❖ प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौँ,
- ❖ बालबालिका, वृद्धवृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔँ ।



कैलाली गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

कैलाली



कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- ✓ मधुमेह(सुगर)
- ✓ थाइराइड रोग
- ✓ पेट,मुटु तथा छातिरोग
- ✓ कलेजी रोग
- ✓ TB, हेपाटाइटिस रोग
- ✓ ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- ✓ मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (T), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४ घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हावा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अग्रेसर थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन ।

२) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अग्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) न्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाज खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अप्रेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी) तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेसिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजी तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी,